Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 7, Petersburg 1875

3,1923. 14760. 5,751. 3279. 5872. 7,5551. 5747. 8,3654. Bhâg. P. 3,29,8.

संराग (von रञ्ज्, रञ्ज् mit सम्) m. 1) *Leidenschaft, Heftigkeit:* क्रोधसंरागात् R. 5,87,3. उच्च° adj. *stark geröthet* und zugleich *heftig aufgeregt* 9. — 2) *das Hängen an Etwas:* विषयेष्वतिसंरागः (Gegens. विराग) Prâjaçittat. (s. u. नैर्मल्य).

संराजितर् nom. ag. von 1. राज् mit सम् P. 8,3,25, Schol.

संराद्धि (von राध् mit सम्) f. *das Gelingen* Dhâtup. 26,83. fg.

संराधन (vom caus. von राध् mit सम्) 1) adj. (f. ई) *zufrieden stellend, Eintracht bewirkend* Çat. Br. 14,9,3,3. Âçv. Çr. 8,14,4. — 2) n. *vollständige Concentration des Geistes* Bâdar. 3,2,24. = भक्तिध्यानप्रणिधानाद्यनुष्ठान Çaṁk.

संराध्य (wie eben) adj. *den man für sich gewinnen muss* Bhâg. P. 3, 4,26. *was man sich zu eigen machen kann* 26,28.

संरावं (von 1. रु mit सम्) m. *lautes Geschrei* Schol. zu P. 3,3,22 (vgl. 6,2,144). AK. 1,1,6,2. H. 1400. घोष° AK. 2,8,2,76. मुक्तसंरावं मरुद्भूतम् Râǵa-Tar. 3,340.

संरुजन (von 1. रुज् mit सम्) n. *Schmerzhaftigkeit:* पार्श्व° Karaka 2,6.

संरुध् (2. रुध् mit सम्) f. ein Spielausdruck, etwa *eine Art des Einsatzes* bezeichnend AV. 7,50,5.

संरोदन (von 1. रुद् mit सम्) n. *das Heulen, Jammern* Suçr. 2,304,16.

संरोध (von 2. रुध् mit सम्) m. = रोध (रोधन) und त्तेप H. an. 3,350. Med. dh. 38 (mit ÇKDr. संरोधो रोधने zu lesen st. संबोधो बोधने). 1) *das Zurückhalten, Aufhalten, Hemmung, Unterdrückung:* व्याघ° Kumâras. 2,25. पयः° Mâlatîm. 79,18. शकृच्छुक्रवात° Suçr. 1,165,4. प्राण° Çaṁk. zu Bṛh. Âr. Up. S. 194. विषयेन्द्रिय° Jâǵń. 3,158. रश्मि° Pańǵat. 162,11. आकार° R. 4,61,38. प्रवृत्ति° Kâm. Nîtis. 1,35. गति° Çâk. Ch. 25,5. आयुष: MBh. 12,8546. *Einschränkung* Lâṭj. 10,7,11. — 2) *Einsperrung, Einschliessung* R. 6,99,50. Kull. zu M. 9,10. दावाग्निधूम° *durch* Kâm. Nîtis. 14,24. R. 7,35,57. Megh. 71. *Belagerung* Bhâg. P. 10,73,2. पुर° Sâh. D. 549. — 3) *Beschränkung, Beeinträchtigung:* असंरोधेन भूतानां वृत्तिं लिप्सेत MBh. 14,1282. तस्यां तस्यां (वृत्तौ) न संरोधं कुर्यात्पण्यजीविनाम् Kâm. Nîtis. 5,80. — 4) *Unterdrückung* so v. a. *Vernichtung:* विश्वोत्पत्तिसंरोधहेतु Bhâg. P. 10,63,25. —. Vgl. काल°.

संरोधन (wie eben) n. 1) *das Zurückhalten, Hemmen, Unterdrücken:* मूत्रपुरीषयोः Spr. (II) 170. भृत्यानां वृत्तिसंरोधनम् MBh. 5,1356. उपचार° so v. a. *Verbot* Karaka 4,4. — 2) *Einsperrung* Bhâg. P. 10,73,7.

संरोध्य (wie eben) adj. *einzusperren:* गृहे Karaka 8,7.

संरोपण (vom caus. von 1. रुह् mit सम्) 1) adj. *zusammenwachsen —, vernarben machend, zuheilend* (trans.) Suçr. 2,10,6. — 2) n. *das Pflanzen:* नवसंरोपणाशिथिलस्तरुः Spr. (II) 90. पादप° Varâh. Bṛh. S. 55,31.

संरोह (von 1. रुह् mit सम्) m. 1) *das Zuwachsen, Ueberwachsen* TS. 3,5,2,5. 4,4,1,3. 5,3,6,3. व्र° 2,5,11,2. *das Verwachsen, Verheilen:* व्रण° Suçr. 1,3,9. 16,3. — 2) *das Aufkeimen, Hervorbrechen, zum-Vorschein-Kommen:* विकल्प° Verz. d. Oxf. H. 80,b,18. कामानां कृष्यसंरोहः Bhâg. P. 7,10,6.

संरोहण (von 1. रुह् simpl. und caus. mit सम्) 1) adj. = संरोपण Suçr. 2,9,21. — 2) n. a) *das Verheilen, Vernarben:* व्रणसंरोहणं चास्य तत्र देवि त्वया कृतम् R. Gorr. 2,8,15. — b) *das Pflanzen* Spr. (II) 90, v. l.

संरोहिन् (von 1. रुह् mit सम्) adj. *wachsend:* कमलं जलसंरोहि Spr. (II) 2659.

संलक्ष्य (von लक्ष् mit सम्) adj. *wahrnembar, sichtbar* Râǵa-Tar. 3, 361. 6,168 (mit dem Folgenden zu einem comp. zu vereinigen). अल्प° Sâh. D. 127. अ° 338,13. °क्रम und असंलक्ष्यक्रम *ein wahrnembarer* und *ein nicht wahrnehmbarer Vorgang* 254. 101,18. fg. Pratâpar. 13,a,7. In der folgenden Stelle ist wohl सल्लक्ष्य zu lesen: चित्तैकाग्र्यं तु संलक्ष्ये समाधानम् Verz. d. Oxf. H. 223,b, No. 544, Z. 18. — Vgl. उ:°.

संलपन (von 1. लप् mit सम्) n. *das Schwatzen:* संलपनोद्यता so v. a. *ein Verlangen viel zu sprechen* Suçr. 1,94,20.

संलयं (von 1. ली mit सम्) m. 1) *das Niederhocken:* eines Vogels Çat. Br. 14,7,1,19. — 2) *Schlaf* H. 313.

संलयन (wie eben) n. wohl *das Niederhocken* Verz. d. Oxf. H. 277,b,1 v. u.

संलाप (von 1. लप् mit सम्) m. (am Ende eines adj. comp. f. आ) *Unterhaltung, Gespräch* AK. 1,1,5,17. H. 275. Halâj. 1,150. वितण्डालापसंलापैः MBh. 7,3022. 12,12248. 13,1457. R. 4,19,12. Spr. (II) 806. Kathâs. 18,10. 26,28. अन्योऽन्यसंलापो जायापत्योः 72,128. Râǵa-Tar. 4,67. 5, 366. Mârk. P. 20,4. Bhâg. P. 5,24,16. 10,60,58. संलापं कर् Bhar. Nâṭjaç. 20,28 (सल्लाप gedr.). Sâh. D. 287. मित्रेण Spr. (II) 5390. अनेन सह संजातः संलापः Râǵa-Tar. 3,142. नृपतेः *mit* 191. Mârk. P. 8,26. हरि° *über* Spr. (II) 5264. इत्यन्योऽन्यनवप्रेमकृतसंलापयोस्तयोः Kathâs. 35,141. Bez. *eines best. Dialogs im Drama:* संलापः स्याद्भीरोक्तिर्नानाभावसमाश्रयः Sâh. D. 418. 416.

संलापक 1) m. Bez. *eines best. Dialogs im Drama* (vgl. संलाप am Ende) Bhar. Nâṭjaç. 20,40.43 (hier सल्लापक gedr.). Daçar. 2,50. — 2) n. Bez. *einer Art von Schauspielen* Sâh. D. 203,17. fgg.

संलिप्सु (vom desid. von लभ् mit सम्) adj. *habhaft zu werden wünschend:* मृग° MBh. 16,126 (मृगलिप्सु ed. Bomb.).

संलोकिन् (von लोक् mit सम्) adj. *gleichzeitig anblickend* Gobh. 4,7,12.

संलोडन (vom caus. von लुड् mit सम्) adj. *in Verwirrung —, in Unordnung bringend:* लोक° MBh. 1,1397.

1. संवत् (von सम्; vgl. निवत्, प्रवत्) f. 1) *Seite; Strecke, Strich:* प्र पत पृथिव्या अनु संवतम् AV. 6,105,2. परा वद परांचीमनु संवतम् 29,3. ṚV. 1,191,15. 8,64,15. स संवतो नवजातस्तुतुर्यात् 5,15,3. आ देव वरिष्ठामनु संवतम् VS. 11,12. — 2) angeblich = संग्राम Naigh. 2,17.

2. संवत् Abkürzung für संवत्सरे *im Jahr, anno* gaṇa स्वरादि zu P. 1,1,37. AK. 3,5,16. H. 1535. H. ç. 25. Hâr. 28. विक्रम°, सिद्धसेनकुमार° H. 1535, Schol. = विक्रम° Weber, Kṛshṇaǵ. 350. *im Regierungsjahre* Inschr. bei Colebr. Misc. Ess. 2,244,7; vgl. 281.

संवत्सम् (von सम् + वत्स) adv. etwa *ein Jahr lang* ṚV. 4,33,4.

संवत्सर (सम् + व°) Uṇâdis. 3,72. Çânt. 1,7. VS. Prât. 5,32 (ohne Avagraha). m. 1) *Jahr* AK. 1,1,3,20. H. 159. Halâj. 1,116. 5,22. संवत्सर एव स्त्री गौर्वा वडवा वा विजायते Çat. Br. 11,1,6,2.5,4,6. गर्भेण संवत्सरे पर्यावृत्य प्रजायते Pańǵav. Br. 10,12,5. ṚV. 1,110,4. 140,2. 161, 13. संवत्सरं शशयानाः 7,103,1.7. °रे प्रावृष्यागतायाम् 9. समुद्रार्दणवादधि संवत्सरो अजायत 10,190,2. AV. 1,35,4. 2,6,1. 3,10,2. द्वादशार 4,35,4. 6,55,3. hat zwölf Monate TS. 5,2,5,5. Ait. Br. 1,13.16. Çat. Br. 1,2,5,13. dreizehn VS. 18,29. dreihundertundsechzig Tage Çat.

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007